गुरु नानक – सबद ७०

एकु सुआनु दुइ सुआनी नालि ॥

रागु सिरिरागु, गुरु नानक, गुरु ग्रंथ साहिब, २४

एकु सुआनु दुइ सुआनी नालि ॥
भलके भउकहि सदा बइआलि ॥
कूड़ु छुरा मुठा मुरदारु ॥
धाणक रूपि रहा करतार ॥१॥
मै पति की पंदि न करणी की कार ॥
हउ बिगड़ै रूपि रहा बिकराल ॥
तेरा एकु नामु तारे संसारु ॥
मै एहा आस एहो आधारु ॥१॥ रहाउ ॥
मुखि निंदा आखा दिनु राति ॥
पर घरु जोही नीच सनाति ॥
कामु क्रोधु तनि वसहि चंडाल ॥
धाणक रूपि रहा करतार ॥२॥
फाही सुरति मलूकी वेसु ॥
हउ ठगवाड़ा ठगी देसु ॥
खरा सिआणा बहुता भारु ॥
धाणक रूपि रहा करतार ॥३॥
मै कीता न जाता हरामखोरु ॥
हउ किआ मुहु देसा दुसटु चोरु ॥
नानकु नीचु कहै बीचारु ॥
धाणक रूपि रहा करतार ॥४॥२९॥

सार: जिस तरह कारकों के आधार पर गति प्राप्त वस्तु प्रभावित और विकसित होती है, यही सिद्धांत हमारे इरादों पर भी लागू होता है जो हमारे चरित्र को आकार देते हैं। हर विचार एक छोटे से कार्य से उत्पन्न होता है जिसके महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं। नकारात्मक इरादे अक्सर

बुराइयों को जन्म देते हैं जबकि सकारात्मक इरादे अच्छे गुणों को विकसित करते है। यदि हम अपनी इच्छाओं और अपेक्षाओं पर ध्यान न दें तो वह कर्मों में बदलकर दुखद परिणाम ला सकती हैं। इसके विपरीत, सचेतना के साथ चिंतन हमें बेहतर नतीजों की ओर ले जाता है।

एकु सुआनु दुइ सुआनी नालि ॥
एक नर कुत्ता दो मादा कुत्तियों के साथ है। यह दृश्य उस मन का प्रतीक है जो माया के प्रभाव में लगातार इच्छाओं और अपेक्षाओं से भरा रहता है।

भलके भउकहि सदा बइआलि ॥
सुबह से शाम तक वह भौंकते रहते हैं—यह उस मन का प्रतिनिधित्व करता है जो कभी शांत नहीं होता और नई-नई इच्छाओं को पूरा करने के लिए बेचैन रहता है।

कूड़ु छुरा मुठा मुरदारु ॥
झूठ एक खंजर की तरह है जो विश्वासघात का घाव देती है और छल एक मुर्दे के समान है जिसमें ईमानदारी की कमी है। यह रूपक बेईमानी के हानिकारक प्रभावों को दर्शाता है।

धाणक रूपि रहा करतार ॥१॥
एक शिकारी की आक्रामक प्रवृत्ति की तरह, अनियंत्रित नकारात्मकता उभरती है और चरित्र में प्रकट हो ही जाती है। (१)

मै पति की पंदि न करणी की कार ॥
मैंने अच्छी सलाह मानने या नेक काम करने का मार्ग नहीं अपनाया।

हउ बिगड़ै रूपि रहा बिकराल ॥
मेरा रूप विकृत है और मैं भयानक बना रहता हूँ, यह भावना अवगुणों के सार को दर्शाती है जो उसके नकारात्मक चरित्र को आकार देती है।

तेरा एकु नामु तारे संसारु ॥
सर्वव्यापी स्रोत की एकता का चिंतन ही सांसारिक अस्तित्व के माध्यम से मार्गदर्शन कर पार ले जा सकता है।

मै एहा आस एहो आधारु ॥१॥ रहाउ ॥
चिंतन का अभ्यास ही मेरी एकमात्र आशा है, ज्ञान प्राप्त करने के लिए यही एकमात्र सहारा है। (१)(विराम)

मुखि निंदा आखा दिनु राति ॥
मैं दिन-रात दूसरों की निंदा करता हूँ।

पर घरु जोही नीच सनाति ॥
जो दूसरे के जीवन की लालसा तुलना या ईर्ष्या करता है, वह नीच और घृणित है।

कामु क्रोधु तनि वसहि चंडाल ॥
अधूरी इच्छाएँ और अनसुलझा क्रोध मन-शरीर में एक क्रूर जल्लाद की तरह बस जाते हैं जो हमें नष्ट कर देते हैं।यह प्रतीक है कि ऐसे दोष विनाशकारी हैं।

धाणक रूपि रहा करतार ॥२॥
एक शिकारी की आक्रामक प्रवृत्ति की तरह, अनियंत्रित नकारात्मकता उभरती है और चरित्र में प्रकट हो ही जाती है। (२)

फाही सुरति मलूकी वेसु ॥
मन एक बाहरी दिखावे में फँस जाता है जो व्यक्ति को गुणी दिखाता है।

हउ ठगवाड़ा ठगी देसु ॥
मैं एक धोखेबाज हूँ जो दुनिया को धोखा देने का इरादा रखता हूँ।

खरा सिआणा बहुता भारु ॥
मैं ख़ुद को पवित्र और समझदार मानता हूँ लेकिन मेरे इरादे पाप से भरे हैं।

धाणक रूपि रहा करतार ॥३॥
एक शिकारी की आक्रामक प्रवृत्ति की तरह, अनियंत्रित नकारात्मकता उभरती है और चरित्र में प्रकट हो ही जाती है। (३)

मै कीता न जाता हरामखोरु ॥
मैं अपने कर्मों को नहीं समझता और प्रकृति के नियमों को तोड़ता हूँ।

हउ किआ मुहु देसा दुसटु चोरु ॥
अपनी बुराइयों को जानकर मैं अपनी अंतरात्मा का सामना कैसे करूँ यह जानते हुए कि मैं एक दुष्ट धोखेबाज हूँ?

नानकु नीचु कहै बीचारु ॥
नानक कहते हैं कि यह मानसिकता बुरे इरादे को दर्शाती है और ख़ुद के कर्मों पर विचार करने की सलाह देते हैं।

धाणक रूपि रहा करतार ॥४॥२९॥
एक शिकारी की आक्रामक प्रवृत्ति की तरह, अनियंत्रित नकारात्मकता उभरती है और चरित्र में प्रकट हो ही जाती है। (४)(२९)

तत्त्व: गुरु नानक कहते हैं कि हमारे मूलभूत गुणों को अनदेखा करना प्राकृतिक व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है। अगर हम अपने धोखे को अनदेखा करते हैं तो हम अपनी चेतना का सामना नहीं कर सकते। यह मानसिकता आत्म-चिंतन की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। हम विनाशकारी प्रवृत्ति से मुक्त होकर, आत्म-जागरूकता और ईमानदारी को बढ़ावा देने वाले अधिक सकारात्मक सद्गुणों के मार्ग पर चल सकते हैं।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**
Oneness In Diversity Research Foundation
वेबसाइट: OnenessInDiversity.com
ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com